अर्हम्

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मण्डल

समय सीमा : 3 घंटा | तेरापंथ दर्शन (वर्ष : 2012) | दिनांक 24.12.2012

पंचम वर्ष : द्वितीय प्रश्न पत्र | पूर्णांक – 100

भिक्षु दृष्टांत – 30

प्र.1 किन्हीं आठ प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दें। 8

(क) ''आछो देवे उपदेश'' में गृहस्थपन में हेमजी की उठ बैठ किसके साथ थी?

(ख) ''सन्निपात आए रोगी को दूध मिश्री पिलाए तो सन्निपात अधिक बढ़ता है।'' यह कथन किसने किसको कहा?

(ग) लोढ़ों के उपाश्रय की चर्चा में विजय की खबर स्वामीजी को किसने दी?

(घ) भावी तीर्थंकर की वन्दना करने को किसने कहा?

(ङ) कौन से साधु आकार व शरीर से भारीमलजी स्वामी जैसे लगते थे?

(च) शुभ योग को संवर किसने बताया?

(छ) ''साधार्मिक वात्सल्य'' का निषेध क्यों करते हो? यह कथन किसने किसको कहा?

(ज) ''भीखणजी का साधु तो अकेला नहीं घूमता'' ताराचंदजी के इस कथन पर रूपचंदजी ने क्या कहा?

(झ) एक आला और क्यों चाहिए? इस प्रश्न का शोभाचन्दजी ने क्या उत्तर दिया?

(ञ) ''देखो मुझे ढोर कहते हैं'' यह कथन किसने क्यों कहा?

प्र.2 किन्हीं दो घटना–प्रसंगों को 100 से 150 शब्दों में लिखें। 12

(क) ऐसे मनुष्य विरले हैं।

(ख) तीन मिच्छामि दुक्कडं।

(ग) भीखणजी उपकार को मानते हैं।

(घ) हेमजी चर्चा करोगे?

(ङ) दोनों में एक झूठ।

प्र.3 दृष्टातों द्वारा सिद्ध करें कि तेरापंथ के श्रावक तत्त्व चर्चा में निपुण थे। 10

''अथवा''

''हेमजी स्वामी आचार को अधिक महत्त्व देते थे'' दृष्टांतों द्वारा स्पष्ट करें।

भ्रम विध्वंसन – 35

प्र.4 किन्हीं आठ प्रश्नों का उत्तर एक वाक्य में दीजिए। 8

(क) श्रीमज्जयाचार्य ने उन्हीं वर्षों में कौन से अन्य समाधान ग्रन्थों की रचना की थी?

(ख) ''भ्रम विध्वंसन'' ग्रन्थ के खण्डन हेतु किस मुनि ने किस पुस्तक की रचना की?

(ग) मिथ्यांत्वी को मोक्ष का देश–आराधक किस सूत्र में कहा गया है?

(घ) संग्रह दान से क्या तात्पर्य है?

(ङ) भगवती सूत्र के अनुसार सुपात्र दान देने से कौन से कर्म का बंधन होता है?

(च) ''पापाचरणात् आत्मरक्षा दया'' का क्या तात्पर्य है?

(छ) ठाणं सूत्र में वैयावृत्त्य का दसवां भेद कौन सा बतलाया गया है?

(ज) वर्तमान में साधु का एकाकी विहार को क्यों निषेध किया गया है?

(झ) पहले तीर्थंकर भगवान ऋषभ के साधुओं ने कितने प्रकीर्ण ग्रन्थ बनाये?

(ञ) भ्रमविध्वंसन में कितने अधिकार तथा कितने आगमिक प्रमाण दिये गये हैं?

प्र.5 किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर दो या तीन वाक्य में दीजिए। 5

(क) आश्रव व संवर की परिभाषा लिखें।

(ख) साधु का आहार करना तथा नींद लेना पाप है या धर्म? स्पष्ट करें।

(ग) साधु को कौन से कपाट खोलने कल्पते हैं? कौन से नहीं?

(घ) दसवैकालिक सूत्र के अनुसार तप क्यों करना चाहिए और क्यों नहीं?

प्र.6 कोई दो प्रश्नों के उत्तर 100 से 150 शब्दों में दीजिए। 12

(क) उदयजन्य लब्धियों का प्रयोग मुनि के लिये क्यों वर्जनीय है?

(ख) साधु में कितनी लेश्याएँ पायी जाती हैं? दृष्टान्त सहित स्पष्ट करें।

(ग) दान सम्बन्धी गांधीवादी विचारधारा को लिखें।

(घ) श्रावक शब्द की व्याख्या करें।

प्र.7 मिथ्यात्वी की सम्यक् क्रिया को विस्तार से स्पष्ट करें। 10

'अथवा'

दान के स्वरूप को स्पष्ट करते हुए लोकोत्तर दान की दृष्टांत सहित व्याख्या करें।

'अथवा'

हिंसाजन्य करणीय कार्य कौन कौन से हैं? उन्हें निर्दोष मानने वालों के तर्कों के विरूद्ध आचार्य भिक्षु का क्या मत रहा?

भिक्षु गीता – 20

प्र.8 कोई तीन प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए। 3

(क) कायोत्सर्ग के कितने अंग हैं और कौन–कौन से?

(ख) धर्म के चार द्वार कौन–कौन से हैं?

(ग) सेवा लेने का अधिकारी कौन होता है?

(घ) ''अब आप स्वर्ग में जायेगें'' खेतसी स्वामी के इस कथन पर आचार्य भिक्षु ने क्या कहा?

प्र.9 अनुशासन पर 100 से 150 शब्दों में भिक्षु गीता के आधार पर लेख लिखें। 5

'अथवा'

सहिष्णुता के महत्त्व को स्पष्ट करें।

प्र10 किन्हीं दो पद्यों की सप्रसंग व्याख्या करें। 12

(क) व्यक्तिस्वातन्त्र्यमेवास्ति विकासस्य परं पदम्।
तन्निरोधोऽवरोधोऽस्ति प्रगतेरिति प्रत्ययः।।

(ख) प्राणा गणस्य सन्त्येते सम्यगात्मानुशासनम्।
विनम्रत्वंच सौहार्द वात्सल्यं सम्मतिर्मिथः।।

(ग) विनयः शासने मूलं विकासः फलभिष्यते।
मूले रूढे स्वयं शाखा–प्रशाखा–विस्तरो भवेत्।।

(घ) इदं केवलिना गम्यं नास्माभिः स्वल्पचेतनैः।
इत्युक्त्वा विरमेत्तस्मात् श्रेयो मार्गोऽयमुत्तमः।।

भिक्षु वाणी (पूर्व कंठस्य) – 15

प्र11 कोई दो पद्यों की पूर्ति करें। 6

(क) कांदा ने सो.....लागे पास।।

(ख) ते पाप उदय.....नहीं दोस।।

(ग) बाजए खेत.....में झूठ।।

(घ) बांध्यो कालारी.....कुबद सीखावे।।

प्र12 कोई तीन विषयों पर पद्य लिखें। 9

(क) हिंसा–अहिंसा

(ख) विसंगति

(ग) दुःषमाकाल

(घ) आत्मशुद्धि की प्रक्रिया

(ड़) पुरुषार्थ